स्तरण की विशेषताएँ
(Characteristics of Stratification)

मेटा स्पेंसर ने स्तरण की कुछ विशेषताओं पर इस प्रकार प्रकाश डाले है जो निम्नलिखित है :—

(1) स्तरण का स्वरूप सामाजिक होता है। —

स्तरण के आधारभूत तत्व सामाजिक होते है। सही अर्थ मे जैविक आधार पर स्तरण का निर्माण नहीं हो सकता है। उदाहरणस्वरूप, रंग, ऊंचाई मोटापा, उम्र एवं लिंग-भेद के आधार पर समाज मे विभेदीकरण स्थापित किया जा सकता है स्तरण नहीं क्योंकि ये व्यक्ति के जैविक गुण है। पर यदि जैविक आधार को सामाजिक मान्यता प्राप्त है, तो वह स्तरण का आधार माना जा सकता है, जैसे- उम्र के आधार पर बुजुर्ग और जवान लोगों के बीच भारतीय समाज मे स्पष्ट रूप से भेद किया जाता है। इसलिए उम्र को स्तरण का आधार माना जा सकता है। ठीक उसी प्रकार पितृसत्तात्मक परिवार या समाज मे स्त्री-पुरुष के बीच प्रतिष्ठा का काफी बड़ा फर्क होता है, इसलिए लिंग भेद एक जैविक आधार होते हुए भी स्तरण का आधार हो सकता है। पर यदि उसमे प्रतिष्ठा का भाव नहीं है, तो उम्र या लिंग के आधार पर स्थापित विभाजन को विभेदीकरण कहा जाएगा, सामाजिक स्तरण नहीं।